राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1229

13 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के
प्रदर्शन में सुधार

1229. सुश्री सरोज पाण्डेयः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) सहित सरकारी क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों को निजी कंपनियों की तुलना में विभिन्न मापकों पर अपने कार्य निष्पादन में सुधार लाने का निर्देश दिए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकारी क्षेत्र के उपक्रम न केवल अंतर्राष्ट्रीय मानकों बल्कि अपने निजी प्रतिस्पर्धी उपक्रमों से भी पीछे हैं और अपनी क्षमताओं के दोहन के प्रति उदासीन हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए जाने वाले प्रस्तावित सुधारात्मक कदम क्या हैं और अब तक इस संबंध में क्या प्रगति हुई है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): इस्पात मंत्रालय के अधीन दो इस्पात विनिर्माण सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम हैं, नामतः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)। सरकार, इस्पात क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की, उनके कार्य-निष्पादन के आधार पर, इस्पात मंत्रालय के साथ उनके द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में दर्ज विभिन्न पैरामीटरों पर पुनरीक्षा और मूल्यांकन करती है।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र, जिसे 1990 में स्थापित किया गया था, को छोड़कर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के लगभग सभी एकीकृत इस्पात संयंत्र वर्ष 1960 और 1970 में स्थापित किए गए थे। उस दौरान अपनाई गई कुछ प्रौद्योगिकियाँ तथा उपकरण पुराने और अप्रयुक्त हो गए हैं। तद्नुसार, तकनीकी-आर्थिक दक्षता पैरामीटर्स भी देश में स्थापित आधुनिक संयंत्रों के समतुल्य नहीं हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के दोनों उपक्रमों ने अप्रचलित प्रौद्योगिकी की समस्या के समाधान के साथ-साथ आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम को शुरू किया है।

*****